डॉ सुचित्रा देवी

शिक्षक शिक्षा विभाग

एन ए एस कॉलेज संबद्ध (चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ)

एम एड फोर्थ सेमेस्टर

पेपरCC14

एजुकेशनल मैनेजमेंट एडमिनिस्ट्रेशन एंड लीडरशिप

यूनिट फोर्थ

स्पेसिफिक ट्रेंड्स इन एजुकेशनल मैनेजमेंट

निर्णय लेना (Decision Making)

निर्णय लेना (Decision Making) क्या है? निर्णय लेना आधुनिक प्रबंधन का एक अनिवार्य पहलू है। यह प्रबंधन का एक प्राथमिक कार्य है। एक प्रबंधक का प्रमुख काम ध्वनि / तर्कसंगत निर्णय लेना है। वह सचेत और अवचेतन रूप से सैकड़ों निर्णय लेता है। निर्णय लेना प्रबंधक की गतिविधियों का प्रमुख हिस्सा है। निर्णय महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे प्रबंधकीय और संगठनात्मक कार्यों को निर्धारित करते हैं। एक निर्णय के रूप में परिभाषित किया जा सकता है; "वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए विकल्पों में से एक विकल्प के रूप में जानबूझकर चुना गया कार्रवाई का एक कोर्स।" यह एक अच्छी तरह से संतुलित निर्णय और कार्रवाई के लिए प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है।

निर्णय लेने की प्रक्रिया:

1.स्थिति की जांच करें।

2.विकल्प विकसित करें।

3.विकल्पों का मूल्यांकन करें और सर्वश्रेष्ठ का चयन करें।

4.निर्णय को लागू करें और निगरानी करें।

निर्णय लेने के लक्षण:

1.सतत गतिविधि / प्रक्रिया।

2.मानसिक / बौद्धिक गतिविधि।

3.विश्वसनीय जानकारी / प्रतिक्रिया के आधार पर।

4.लक्ष्य–उन्मुख प्रक्रिया।

5.मतलब और अंत नहीं।

6.एक विशिष्ट समस्या से संबंधित है।

7.समय लेने वाली गतिविधि।

8.प्रभावी संचार की आवश्यकता

9.व्यापक प्रक्रिया।

10.जिम्मेदार नौकरी।

स्त्रोत्र

विकिपीडिया

विभिन्न इंटरनेट साइट्स

कोर्स से संबंधित किताबें